ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

Sahitya Vithika

Peer Reviewed Bilingual Bi-Annual International Reserach Journal

(अर्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिका)

वर्ष : 4 अंक : 8 जून : 2016

युवा समाजसुधारक
श्री कालिदास मेहरा

संपादक
डॉ. दिलीप मेहरा

ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

वर्ष : 4 अंक : 8 जून - 2016

:: संपादक ::
डॉ. दिलीप मेहरा

:: परामर्शक ::
डॉ. पारुकान्त देसाई
डॉ. दयाशंकर
डॉ. सुरेश गढवी
प्रो. जे. के. सिंह

:: संरक्षक ::
डॉ. मालती दुबे
डॉ. मनोज पटेल

:: सम्पादक मण्डल ::
डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल
डॉ. प्रेमचन्द कोराली
डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन
श्री सुरेशभाई के. मेहरा

कला सज्जा : मयूर इसरामा

:: व्यवस्थापकीय पता ::
शोभा मेहरा
बी-३, नीलकंठ बंग्लोज,
पंचायत अस्पताल रोड,
नानाबाजार, वल्लभविद्यानगर,
गुजरात-388120
Email : mehradilip52@gmail.com
सचलभाष - 94263 63370

Peer reviewed bilingual bi-annual International research journal

पत्रिका में प्रकाशित कविता, लेखादि में अभिव्यक्त विचारों से प्रकाशक या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवादों के लिए न्यायालय का क्षेत्र आणंद, गुजरात होगा।

सदस्यता शुल्क
वार्षिक २०० रुपये
पंचवार्षिक १००० रुपये
आजीवन २५०० रुपये

संस्था के लिए
वार्षिक ३०० रुपये
आजीवन ३००० रुपये

अनुक्रमणिका

श्रद्धांजलि

१. समाज सुधारक कालिदास मेहरा	डॉ. धनपाल सिंह	३
२. मेहरा समाज के महानायक : श्री कालिदास मेहरा	डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन	४
३. सेवा का दूसरा नाम कालिदास मेहरा	विक्रमभाई बी.मेहरा	६
४. व्यक्ति विशेष : स्वर्गीय कालिदास मेहरा	भोई बाबूभाई शिवाभाई	७

विमर्श

१. छोटे किसानों का आर्थिक मूल्यांकन	डॉ. महेन्द्र पाल सिंह राठौर	९
२. स्वच्छन्दतावादी काव्य का अनुशीलन	डॉ. लाल बहादुर सिंह	११
३. तैत्तिरीय उपनिषद में शिक्षा	डॉ. जयश्री दवे	१३
४. बौद्ध भिक्षुणियों का बौद्ध साहित्य एवं बौद्ध धर्म साधना में योगदान	डॉ. राजबहादुर यादव	१६
५. असंगठित क्षेत्र के बाल श्रमिकों का मूल्यांकन	डॉ. महेन्द्रपाल सिंह राठोर	२१
६. दलित माँ की आर्थिक स्थिति को प्रस्तुत करती- 'रोटलो नजराई गयों	डॉ. पारुल सिंह	२२
७. कथात्रयी : रघुवीर के अंचल की आत्मकथा	डॉ. सुरेश पटेल	२४
८. 'कामायनी' का महाभाव	डॉ. इल्यास आर. जेठवा	२७
९. "समकालीन हिन्दी कहानियों में वृद्धजनों का आत्म संघर्ष"	दीपिका परमार	२९
१०. हानूश : एक कलाकार की मर्मान्तक पीडा	मिथिलेश मिश्र	३१
११. 'हानूश' की मूल संवेदना	राजेश राठवा	३३
१२. आदिवासी प्रतिरोध और रूपतिल्ली की कथा	बाल कृष्ण सिंह	३६
१३. आदिवासी स्वभाव से ही साम्यवादी हैं, लिंग भेद के मामले में भी !	डॉ. ईश्वरसिंह राठवा	३८
१४. 'दूध का दाम' कहानी में निरूपित ग्रामीण-जीवन एवं दलित-चेतना	डॉ. के. जी. चंदाणा	४४
१५. दलित साहित्य का बदलता परिदृश्य	डॉ. करसन रावत	४८
१६. मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मनोवैज्ञानिकता	डॉ. मानसिंगभाई एस. तावियाड	५२
१७. शिवानी के उपन्यासों में मनोवैज्ञानिकता	डॉ. संगीता माहला	५४
१८. बहुमुखी प्रतिभा के धनी अज्ञेय।	डॉ. धनंजय चौहान	५७
१९. जनाब बशीर बद्र साहब की एक संजीदा गज़ल - 'अपने घर गये होते'	डॉ. जे. एन. शास्त्री	५९
२०. हिन्दी साहित्य में रामायण पर आधारित काव्यों का विवेचन	डॉ. जे. एल. पटेल	६१
२१. गुजराती साहित्य के प्रेमचन्द : पन्नालाल पटेल	घनश्याम यादव	६४
२२. रचनात्मक लेखन-सैद्धांतिक परिचय	डॉ. जशाभाई पटेल	६७
२३. निशा भार्गव के साहित्य में सामाजिक हास्य- व्यंग्य	गज़ल चोपड़ा	७०
२४. आस बन गई है 'फाँस'	डॉ. मोती लाल	७३

लोक साहित्य

२५. वर्षा ऋतु और ब्रज के मेघ-मल्हारी लोकोत्सव	डॉ. मदन मोहन शर्मा	७८

तीर्थाटन

२६. तीर्थभारत में शिवतीर्थ	डॉ. घनश्याम एन. गढवी	७९

पुस्तक समीक्षा

२७. मन को खंगालती है : "समय के समर में" की कविताएँ	डॉ. अरविन्द झा	८४
28. Bliss – Happiness in the Imagery of Keats	Jyotsana. H. Pandya	८७
29. The Use of Supplementary Computer Assisted Language Learning (CALL) Materials for Selected Lessons of Standard – X Textbook Second Language (Secondary Level).	Dr. Vishal Parmar	८९
30. Clash of tradition and Contemporary Urban Indian Reality in Chetan Bhagat's Fiction	Dipti Macwan	९१
31. Medical Tourism in Gujarat: Medical Geography review	Kalpana R. Malvat	९४

काव्य सृष्टि

श्री रामलला शुक्ला पृ. ८ | कृष्णदेव मिश्र 'कृष्ण' पृ. २० | सूरजपाल चौहान पृ. २३ | कवि रूपनारायण सोनकर पृ. ४७ | सुनील कुमार यादव पृ. २६ | श्री रामरक्षा मिश्र 'रसिक' पृ. ३० | निशांत शुक्ल पृ. ३२ | चिरायु वीरेन्द्रभाई पटेल पृ. ५६ | जशाभाई पटेल पृ. ६९ | डॉ. कांतिलाल दवे पृ. ७७